an>

Title: Need to provide better internet services in rural areas in the country.

श्री रत्न लाल कटारिया (अम्बाला) : महोदया, मैं आपके माध्यम से आदरणीय कम्युनिकेशन मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं कि भारत यद्यपि अमेरिका और चीन के पश्चात डिजिटल क्रांति में तीसरे स्थान पर है। ...(व्यवधान) शहरों की अपेक्षा ग्रामीण भारत में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार के लिए अभी और नेटवर्क खड़ा करने की आवश्यकता है। ...(व्यवधान) इसके साथ ही विश्व स्तर पर डिजिटल सेवाओं का मुकाबला करने के लिए हमें अपनी इंटरनेट की स्पीड अपेक्षा के अनुरूप बढ़ानी है। ...(व्यवधान) मौजूदा दौर में जहां शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं का प्रतिशत 67 प्रतिशत है, वहीं देश में 11 करोड़ 19 लाख ग्रामीण इंटरनेट से जुडे हैं। ...(व्यवधान) भारत अपनी डिजिटल क्रांति के माध्यम से न केवल समय की बचत व अन्य सुविधाओं का विस्तार करने मे सफल रहा है, वहीं भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगा है। ...(व्यवधान) देश में राशन कार्ड व एलपीजी के ऑनलाइन सिस्टम से करोड़ों फर्जी उपभोक्ताओं का पर्दाफाश हुआ है। ...(व्यवधान)

मैं मांग करता हूं कि दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में आधार कार्ड के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही 150 से अधिक सेवाओं का इंटरनेट के माध्यम से बेहतरीन फायदा उठाने के लिए सूचना तंत्र को और मजबूत किया जाए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री रोड़मल नागर,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री आलोक संजर और

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री रत्न लाल कटारिया द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।